

Padma Shri



SHRI KONGAMPATTU A.V. MURUGAIYAN

Shri Kongampattu A.V. Murugaiyan is a Thavil Vidwan, an A+ (Top Grade) Artist and trained a Jury of Music Audition committee for Pondicherry AIR (All India Radio) and New Delhi AIR. Working as a Thavil Teacher in Villupuram District Govt Music school, Tamilnadu, he trained aprox 300 students in his 23 years of Teaching service. He initiated and performed Thavil Bharatha Isai Sangamam, Laya Isai Sangamam, Jugalbandi with Thavil Thani Avarthanam

2. Born on 5th October, 1963, Shri Murugaiyan completed his Three year Diploma of “Thavil natha mani” from Arasar Thavil Nathasura isai kalluri Thiruvaiyaru. Later he received his scholarship from scholarships to young workers in different cultural fields by Department of Culture, India. He was a first student of his Guru Valaiyapatti Padmasri Awardee Shri AR Subramaniam and performed along with him for several years.

3. With the experience of spanning over 50 years in this field, Shri Murugaiyan has created the name Kongamapttu for Thavil where his guru created the name for Valayapatti Moreover he has given his tremendous service with Nadhaswara vidwan -Padmasri Awardee Shri Namagiripettai K. Krishnan, Padmashri Madurai MPN Sethuraman, MPN Ponnusamy etc. and with Thavil Vidwan -Valaigaiman Shanmugasundaram Pillai, Thirucheraai TG Muthukumarasamy Pillai, Padamasri Aridwaramangalam AK Palanivel.

4. Shri Murugaiyan had a privilege of playing at violin concert with violin maestro L Subramaniam and the world famous Tabela Maestro Sri Ustad Allarakha at Mumbai Air India-California (USA) festival. He represented 'Festival of India' in Paris along with Nadaswara widwan Sri Thiruvizha P. Jayashankar and thavil chakravarthy Sri Valaiyapatti AR Subramaniam during 1985.

5. Shri Murugaiyan had an honor of playing in front of Dr. A.P.J Abdul Kalam at Rastarpathi Bhavan. He performed divinely concerts at Sri Shiradi Sai Baba Temple , Shiradi and Sri Ragavendra Temple. He has given Thavil Demo at Bala Thandayuthabani Devasthanam Palani and Chennai colleges for Music artists of Tamilnadu state. He performed Thavil isai for 25 years at Thiruchendur senthilaandavar Devasthanam and has been an Aashthana Vidwan for Kanchi kaamkoti peedam and Goden Temple sri Narayani Peedam .

6. Shri Murugaiyan is the recipient of numerous awards and honours. The Tamilnadu State conferred on him Kalaimamani in 2006. He received District best teacher award in 2017 from district collector of Villupuram, Tamilnadu. Kalai Sudar Mani was conferred on him in 2003 by Tamilnadu Art and Culture. He has been awarded as a Kanchi Kamakodi Peeda Asthana Vidwan in 2006 and Golden Temple Asthana Peeda Vidwan in 2019. He was chosen for Valayapatti award in 2019. Many of other titles and recognition such as Thavil Kalaiyarasar, Suthi Suga Sunatha Laya Arasu ,Thala Lava Semmal, Laya Mamurasu, Mangala Isai Selvar .etc have been received by him from well-known Music Shabas and organizations.

पद्म श्री



श्री कोंगमपट्टू ए.वी. मुरुगैयन

श्री कोंगमपट्टू ए.वी. मुरुगैयन एक थविल विद्वान, ए+ (सर्वोच्च ग्रेड) के कलाकार हैं। उन्होंने आकाशवाणी पुदुचेरी तथा आकाशवाणी नई दिल्ली की संगीत ऑडिशन समिति के जूरी को प्रशिक्षित किया हैं। विल्लूपुरम जिला सरकारी संगीत विद्यालय, तमिलनाडु में थविल शिक्षक के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने 33 वर्ष के अपने शिक्षण काल में लगभग 300 छात्रों को शिक्षा दी। उन्होंने थविल भारत इसाई संगमम, लायल साई संगमम, थविल थानी अवर्थानम के साथ जुगलबंदी की शुरुआत की और कला प्रदर्शन किया।

2. 05 अक्टूबर, 1963 को जन्मे, श्री मुरुगैयन ने अरासर थविल नाथसुरा इसाई कल्लूरी थिरुवईयारु से "थविलनाथमणि" का त्रिवर्षीय डिप्लोमा पूरा किया। बाद में उन्हें संस्कृति विभाग, भारत सरकार से विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों में युवा कलाकारों को दी जाने वाली छात्रवृत्ति प्राप्त हुई। वह अपने गुरु वलैयापति पद्मश्री पुरस्कार प्राप्तकर्ता श्री ए.आर. सुब्रमणियम के पहले शिष्य थे और उन्होंने कई वर्ष तक उनके साथ कला प्रदर्शन किया।

3. इस क्षेत्र में 50 वर्ष के अनुभव के साथ, श्री मुरुगैयन ने थविल के लिए कोंगमपट्टू नाम गढ़ा, जब कि उनके गुरु ने वलैयापति के लिए नाम गढ़ा। इसके अलावा उन्होंने नादस्वर विद्वान पद्मश्री पुरस्कृत, श्री नामगिरीपेट्टाई के. कृष्णन, पद्मश्री पुरस्कृत, मदुरई एम.पी.एन. सेतुरामन, एम.पी.एन. पोन्नूस्वामी आदि तथा थविल विद्वान वलैगैमान षण्मुगसुन्दरम पिल्लई, थिरुचेराई टी.जी. मुथुकुमारस्वामी पिल्लई, पद्मश्री पुरस्कृत, अरिद्वारमंगलम ए.के. पलनिवेल के साथ महत्वपूर्ण सेवा दी है।

4. श्री मुरुगैयन को प्रसिद्ध वायलिन वादक एल. सुब्रमणियम के साथ वायलिन संगीत समारोह में तथा मुम्बई एयर इंडिया-कैलिफोर्निया (यूएसए) महोत्सव में विश्व प्रसिद्ध तबला वादक श्री उस्ताद अल्लारक्खा के साथ प्रस्तुती देने का सुअवसर मिला। उन्होंने 1985 में पेरिस में 'भारत महोत्सव' में नादस्वरविद्वान श्री तिरुविजा पी. जयशंकर तथा थविलचक्रवर्ती श्री वलैयापति ए.आर. सुब्रमणियम के साथ भारत का प्रतिनिधित्व किया।

5. श्री मुरुगैयन को राष्ट्रपति भवन में डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के समक्ष कला प्रदर्शन करने का सम्मान प्राप्त है। उन्होंने श्री शिरडी साईबाबा मंदिर, शिरडी और श्री राघवेंद्र मंदिर में पवित्र संगीत समारोहों में कला प्रदर्शन किया है। उन्होंने बाला तंडायूथवनी देवस्थानम पलानी और चैन्नई कॉलेज फॉर म्यूजिक आर्टिस्ट ऑफ तमिलनाडु स्टेट में थविल वादन किया है। उन्होंने 25 वर्ष तक तिरुचंदुर सेंथिल अंदावर देवस्थानम में थविल इसाई वादन किया है और वे कांची कामकोटी पीठम तथा गोल्डन टेम्पल श्री नारायणी पीठम में आस्थाना विद्वान रहे हैं।

6. श्री मुरुगैयन को कई पुरस्कार और सम्मान मिले हैं। तमिलनाडु राज्य ने 2006 में उन्हें कलईमामणि से सम्मानित किया। उन्हें विल्लूपुरम, तमिलनाडु के जिला कलेक्टर द्वारा 2017 में सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार प्राप्त हुआ। तमिलनाडु कला और संस्कृति विभाग ने 2003 में उन्हें कलईसुन्दरमणि से सम्मानित किया। उन्हें 2006 में कांची कामकोटी पीठ अस्थान विद्वान और 2019 में स्वर्ण मंदिर स्थान पीठ विद्वान के रूप में सम्मानित किया गया है। उन्हें 2019 में वलैयापट्टी पुरस्कार के लिए चुना गया था। उन्हें कई प्रसिद्ध संगीत सभाओं और संगठनों से अन्य उपाधियाँ और सम्मान यथा थविल कलैयारासर, सुथी सुगा सुनाथा लाया आरसु, थाला लावा सेम्मल, लाया ममुरासु, मंगल इसाई सेल्वार आदि प्राप्त हुए हैं।